उ.प्र. भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण

मुख्यालय: राज्य नियोजन संस्थान, नवीन भवन, कालाकांकर हाउस, पुराना हैदराबाद,
लखनऊ- 226007, दूरभाष: +91 9151602229, +91 9151642229

क्षेत्रीय कार्यालय: एच-169, गाम्मा-2, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर- 201308,
दूरभाष: +91 9151672229, +91 9151682229, 0120-2326111

Website: www.up-rera.in, **E-mail:** contactuprera@up-rera.in,

Twitter: https://x.com/UPRERAofficial?t=4uwoQBdIV3UWtl-tGBhPVA&s=08,

Facebook: https://www.facebook.com/upreraofficial?mibextid=ZbWKwL,

Youtube: https://youtube.com/@UPRERAOfficial?si=qajaOVbA4fj-Oyao

प्रेस नोट

लखनऊ- 18.10.2024

उ.प्र. रेरा की पुस्तक से रेरा के महत्वपूर्ण आदेशों और एसओपी की जानकारी हितधारकों को उपलब्ध कराई गई

- प्रोमोटर्स, आवंटियों एवं पेशेवरों सहित सभी वर्ग के हितधारकों की आत्मनिर्भरता एवं कार्यकुशलता में वृद्धि हेतु एक स्टेप बाई स्टेप गाइड बुक की तरह कार्य करने वाली बहुत उपयोगी पुस्तक।
- पुस्तक में परियोजना के पंजीकरण, विस्तार, निरस्तीकरण के अलावा पीठों के संचालन, आदेशों के कार्यान्वयन, आदि से जुड़े नवीनतम आदेशों और एसओपी सहित स्थापना हेतु पूर्व में जारी अधिसूचना का भी संकलन किया गया है।
- प्राधिकरण की स्थापना से दिनांक 10.09.2024 तक जारी महत्वपूर्ण निर्णयों एवं मानक संचालन प्रक्रिया/ एसओपी का संग्रह किया गया है जो रेरा पोर्टल पर सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध है।

लखनऊ / गौतमबुद्ध नगर: उ.प्र. रेरा अध्यक्ष श्री संजय भूसरेड्डी द्वारा दिनांक 17.10.2024 को रेरा मुख्यालय में 'उ.प्र. रेरा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण निर्णयों एवं मानक संचालन प्रक्रिया का संग्रह' पुस्तक का विमोचन किया गया। इस पुस्तक में रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े समस्त हितधारकों को जानकारी और सहायता प्रदान करने के सन्दर्भ में प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए महत्वपूर्ण निर्णयों एवं मानक संचालन प्रक्रिया का विषयवार तथा जारी किए जाने की तिथि से क्रमबद्ध संकलन किया गया है। इस पुस्तक के प्रकाशन का उद्देश्य रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े सभी हितधारक- प्रोमोटर्स, आवंटी/ घर खरीदार, एजेंट, वित्तीय संस्थान, एवं विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करने वाले पेशेवरों को प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए सामयिक निर्देशों और एसओपी की सम्पूर्ण जानकारी एक जगह उपलब्ध कराना है। इससे सभी हितधारकों को रेरा के निर्देशों और एसओपी के अनुसार कार्य करने में सुविधा प्राप्त होगी जिसका लाभ यह होगा कि हितधारक रेरा सम्बन्धी अपने कार्य आत्मनिर्भरता से, पहले से कम समय में तथा ज्यादा कार्यकुशलता से सम्पन्न कर सकेंगे और इससे रेरा और उनके समस्त हितधारकों के मध्य विश्वसनीयता और पारदर्शिता में वृद्धि होगी। पुस्तक में संकलित समस्त निर्देश और एसओपी सार्वजनिक रूप से रेरा पोर्टल पर भी उपलब्ध है जिसका लाभ हितधारकों के अतिरिक्त शिक्षाविद और विद्वान भी उठा सकेंगे।

पुस्तक में सर्वप्रथम परियोजना पंजीकरण और एडिट, परियोजना के भूखण्ड के स्वामित्व और देनदारी, पंजीकरण विस्तार, धारा-8 तथा 15 के प्रस्ताव, पंजीकरण वापसी, परियोजना की ओसी/ सीसी की स्थिति, प्रोजेक्ट से जुड़े बैंक एकाउन्ट के रख-रखाव, कॉर्पेट एरिया, आदि से जुड़े निर्देशों और एसओपी का संग्रह है। इसी प्रकार से रेरा में शिकायत फ़ाइल करने के

बाद उसके पीठ में सुनवाई कराने से लेकर उनके निस्तारण और पारित आदेशों के कार्यान्वयन, शिकायतों में एडिट तथा कन्सिलीएशन फोरम के माध्यम से निरस्तरण सम्बन्धी निर्देशों और एसओपी का संग्रह किया गया है। इसके अतिरिक्त पुस्तक में एजेंट के पंजीकरण, प्रशिक्षण एवं प्रमाणन तथा विस्तार और प्राधिकरण की स्थापना एवं प्रशासनिक व्यवस्था से सम्बन्धित अधिसूचना एवं आदेशों को एक स्थान पर एकत्रित करके प्रस्तुत किया गया है।

पुस्तक विमोचन के अवसर पर श्री संजय भूसरेड्डी, अध्यक्ष, उ.प्र. रेरा द्वारा अवगत कराया गया कि इस पुस्तक में रेरा की स्थापना के दिन से लेकर 10.09.2024 तक जारी निर्देशों और एसओपी का संकलन किया गया है जिसका लाभ रियल एस्टेट सेक्टर के सभी हितधारकों को होगा। यह पुस्तक प्रोमोटर से लेकर शिकायतकर्ता के अलावा रियल एस्टेट सेक्टर के अन्य सभी वर्ग के हितधारकों एवं पेशेवरों के लिए एक गाइड बुक के रूप में कार्य करेगा। सभी वर्ग के लोगों तक पहुंचाने हेतु इन्हें एक बुक के रूप में प्रस्तुत किया गया है और मेरा विश्वास है कि इसके अध्ययन और अनुसरण करने वाले व्यक्ति को किसी प्रकार के सहयोग की आवश्यकता नहीं होगी और वह आत्मनिर्भर होकर अपनी आवश्यकताओं के अनुसार रेरा में सटीक अभिलेख उपलब्ध करा सकेंगे, मामलों की पैरवी कर सकेंगे, आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने सहित अन्य सम्बन्धित कार्य भी कर सकेंगे। हमारा प्रयास यह है कि रेरा और उसके हितधारकों के मध्य विश्वसनीयता बढ़ाने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता एवं कार्यकुशलता में वृद्धि हो।